Toppersnotes®
Unleash the topper in you

मध्य प्रदेश

पुलिस कांस्टेबल

MADHYA PRADESH PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD

भाग – 1

भारत का सामान्य अध्ययन

SIERRA INNOVATIONS

मध्यप्रदेश – पुलिस कांस्टेबल

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	भारत का भूगोल	
1.	भारत की स्थिति और विस्तार	1
2.	भारत का अपवाह तंत्र	5
3.	वन्य जीव जन्तु एवं अभ्यारण	24
4.	कृषि	31
5.	भारत में खनिजों का विवरण	34
6.	भारत के प्रमुख उद्योग	37
7.	परिवहन तंत्र	42
8.	भारत की जलवायु	46
9.	भारत में निवास करने वाली जनजातियाँ	58
10.	भारत की मृदा	60
11.	विश्व भूगोल के महत्वपूर्ण तथ्य	65
	• विश्व के महाद्वीप	65
	• विश्व के महासागर एवं सागर	65
	• विश्व के प्रमुख द्वीप	67
	• विश्व की प्रमुख पर्वत श्रेणियां एवं चोटियां	67
	• विश्व के प्रमुख मरूस्थल	68
	• विश्व की प्रमुख झील	68
	• विश्व के प्रमुख नहर	69
	• विश्व की नदियां	69
	• विश्व की प्रमुख जनजातियाँ	69
	• विश्व के प्रमुख जल परिवहन मार्ग	70
	• विश्व के प्रमुख ज्वालामुखी	71
		71
	भारत का इतिहास	
1.	प्राचीन इतिहास	74
	• सिन्धु घाटी सभ्यता	74
	• वैदिक काल	78
	• बौद्ध धर्म	81
	• जैन धर्म	83

	• महाजनपद काल • मौर्य वंश • गुप्त वंश	84 85 88
2.	मध्यकालीन भारत • भारत पर आक्रमण • सल्तनत काल • मुगल काल • भक्ति एवं सूफी आन्दोलन • मराठा उद्भव	92 92 93 98 104 105
3.	आधुनिक भारत का इतिहास • भारत में यूरोपियन शक्तियों का आगमन • मराठा शक्ति का उत्कर्ष • अंग्रेजो की भू–राजस्व पद्धतियाँ • गवर्नर व वायसराय • 1857 की क्रान्ति • प्रमुख आन्दोलन • कांग्रेस अधिवेशन • भारतीय क्रांतिकारी संगठन	107 107 110 112 115 119 121 124 135
	भारतीय संविधान	
1.	संविधान का विकास	138
2.	संविधान की पृष्ठभूमि	139
3.	संविधान के भाग	141
4.	अनुसूचियां	153
5.	प्रस्तावना	154
6.	संघ	160
7.	संसदीय समितिया	168
8.	न्यायपालिका	169
9.	राज्य	171
10.	आपतकालीन उपबंध	175
11.	जनहित याचिका	177
12.	संविधान संशोधन	179

13.	भारतीय राजव्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य	183
14.	प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय मंत्रिपरिषद	190
15.	भारत निर्वाचन आयोग	196
16.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	198
17.	केन्द्रीय सूचना आयोग	201
18.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	203
19.	लोकपाल और लोकायुक्त	206
20.	स्थानीय स्वशासन और पंचायती राज	208
❖	अन्य महत्वपूर्ण तथ्य	226

भारतीय अर्थव्यवस्था

1.	बजट निर्माण	231
2.	भारत में बैंकिंग	235
3.	लोक वित्त	252
4.	कर सुधार	259
5.	राष्ट्रीय आय	266
6.	आर्थिक संवृद्धि एवं विकास	274
7.	मौद्रिक नीति	279
8.	अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र	288
9.	हरित क्रांति	303
10.	भारत में योजनाएँ	307

अन्य सामान्य ज्ञान

1.	भारत के प्रमुख बांध
2.	भारत के पक्षी अभ्यारण
3.	भारत की जनसंख्या
4.	भारत के प्रमुख बंदरगाह
5.	भारत में प्रमुख नृत्य
6.	अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएं
7.	भारत के प्रमुख स्टेडियम
8.	प्रमुख व्यक्ति एवं उनके उपनाम
9.	भारत के प्रमुख स्थल एवं उनके निर्माणकर्ता
10.	राज्य एवं उनके मुख्यमंत्री
11.	भारत के राष्ट्रपति

12.	भारत के प्रधानमंत्री	
13.	लोकसभा अध्यक्ष	
14.	संघ लोक सेवा आयोग के वर्तमान एवं पूर्व चेयरमैन	
15.	भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त	
16.	प्रमुख उच्च न्यायालय	
17.	भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्या न्यायाधीश	
18.	नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीय	
19.	भारत में सर्वाधिक बडा, लम्बा एवं ऊँचा	
20.	भारत में प्रथम पुरूष	
21.	यूनेस्को द्वारा घोषित भारत के विश्व धरोहर स्थल	
22.	भारत के राष्ट्रीय प्रतीक व चिन्ह	
23.	अविष्कार–अविष्कारक	
24.	अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के महत्वपूर्ण तथ्य	
25.	प्रसिद्ध पुस्तक व उनके लेखक	
26.	खेलकूद	
27.	विश्व की प्रमुख जल संधि	
28.	प्रमुख पर्यावरण सम्मेलन	

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे।

ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-

ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लेंस से QR स्कैन करें।

टॉपर्सनोट्स एग्जाम प्रिपरेशन ऐप

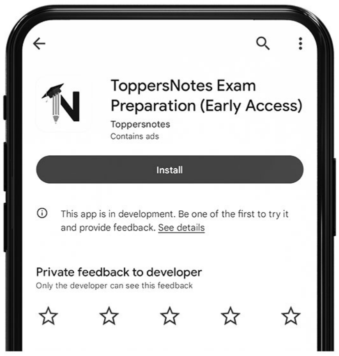

टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें गूगल प्ले स्टोर से।

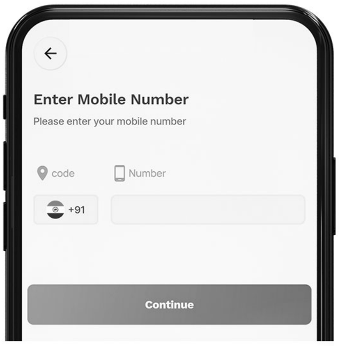

लॉग इन करने के लिए अपना **मोबाइल नंबर** दर्ज करें।

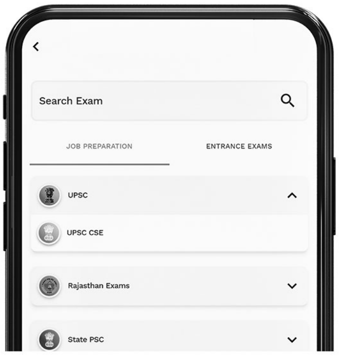

अपनी **परीक्षा श्रेणी** चुनें।

सर्च बटन पर क्लिक करें।

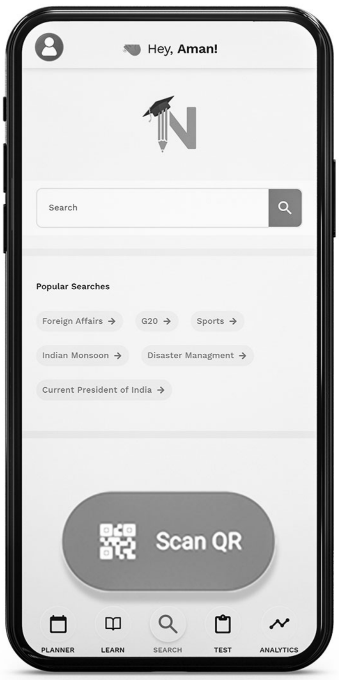

SCAN QR पर क्लिक करें।

किताब के **QR कोड को स्कैन** करें।

- सोल्युशन वीडियो
- डाउट वीडियो
- कॉन्सेप्ट वीडियो

- अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री

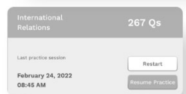

- विषयवार अभ्यास
- कमजोर टॉपिक विश्लेषण

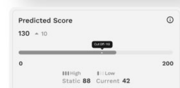

- रैंक प्रेडिक्टर
- टेस्ट प्रैक्टिस

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए **hello@toppersnotes.com** पर मेल करें या **766 56 41 122** पर whatsapp करें।

भारत का भूगोल

भारत की स्थिति और विस्तार

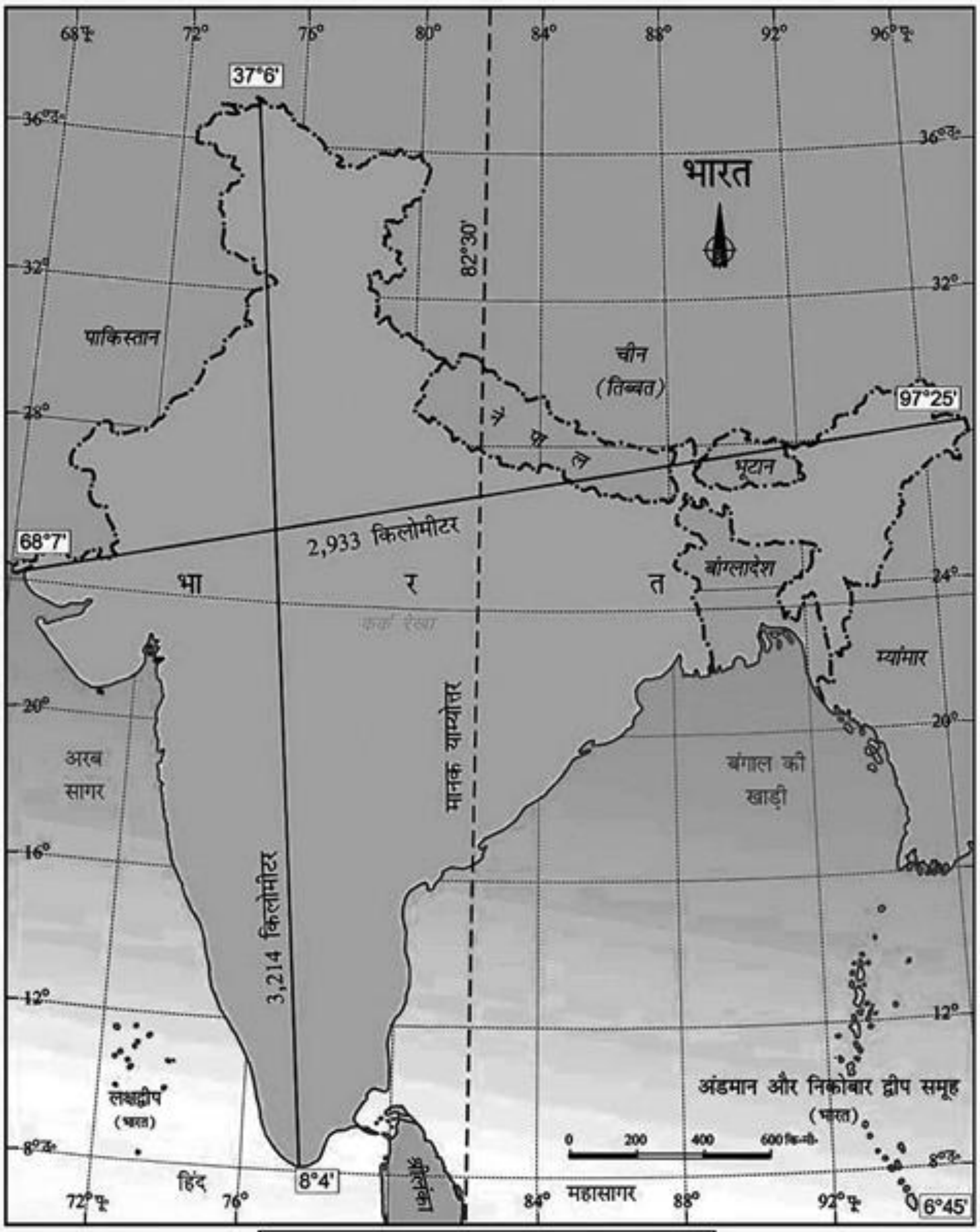

भारत – विस्तार एवं मानक समय रेखा

- **उत्तरी गोलार्ध** में स्थिति (**8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर अक्षांश ; पूर्व 68°7 से पूर्वी देशांतर 97°25)**
- **सीमाएं :**
  - **उत्तर:** महान हिमालय
  - **पश्चिम:** अरब सागर
  - **पूर्व**: बंगाल की खाड़ी
  - **दक्षिण:** हिंद महासागर।
- विश्व का **7वां सबसे बड़ा देश।**
- **सबसे उत्तरी बिंदु :** इंदिरा कोल
- **सबसे दक्षिणी बिंदु:** अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में इंदिरा पॉइंट।
- **सबसे पूर्वी बिंदु:** अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में किबिथू के पास
- **पश्चिमीतम बिंदु:** कच्छ में सर क्रीक, गुजरात में "गौहर माता " के पास।
- **लंबाई:** 3214 किमी
- **चौड़ाई:** 2933 किमी (अनुदैर्ध्य अंतर: 300 या 2 घंटे)
- **क्षेत्रफल:** 32,87,263 वर्ग किमी (दुनिया का 2.42%)
- **जनसंख्या:** विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश (विश्व की जनसंख्या का 17.5%)
- **कुल भूमि सीमा** = 15,200 किमी।
- **कुल समुद्री सीमा =** 7516.5 किमी (बिना द्वीपों के 6100 किमी)

विश्व में स्थान	देश का नाम	
	क्षेत्रफल के अनुसार	जनसंख्या के अनुसार
प्रथम	रूस	चीन
द्वितीय	कनाडा	भारत
तृतीय	चीन	यू.एस.ए
चतुर्थ	यू. एस. ए.	इंडोनेशिया
पंचम	ब्राजील	पाकिस्तान
षष्ठ	ऑस्ट्रेलिया	नाईजीरिया
सप्तम	भारत	ब्राजील
अष्टम	अर्जेनटीना	बांग्लादेश

भारत के पाँच शीर्ष क्षेत्रफल वाले राज्य

क्र.सं.	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	राजस्थान	3,42,239
2.	मध्यप्रदेश	3,08,252
3.	महाराष्ट्र	3,07,713
4.	उत्तरप्रदेश	2,40,928
5.	गुजरात	1,96,024

भारत के शीर्ष क्षेत्रफल वाले 5 जिले

क्र.सं.	जिला	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	कच्छ	गुजरात	45,674
2.	लेह	लद्दाख	45,110
3.	जैसलमेर	राजस्थान	38,401
4.	बिकानेर	राजस्थान	30,247
5.	बाडमेर	राजस्थान	28,387

- सर्वाधिक राज्यों की सीमा को छूने वाला भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश है । उत्तर प्रदेश कुल 8 राज्य एवं 1 केन्द्र शासित प्रदेश से सीमा बनाता है ।
  - उत्तराखण्ड
  - हरियाणा
  - दिल्ली (केन्द्र शासित प्रदेश)
  - हिमाचल प्रदेश
  - राजस्थान
  - मध्य प्रदेश
  - छत्तीसगढ
  - झारखण्ड
  - बिहार
- भारत के कुल 9 राज्य एवं - केन्द्र शासित प्रदेश समुद्री तट से लगे हुए हैं।

राज्य

- गुजरात
- महाराष्ट्र
- गोवा
- कर्नाटक
- केरल
- तमिलनाडु
- आंध्र प्रदेश
- उडीसा
- पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- लक्षद्वीप
- अण्डमान निकोबार
- दमन और दीव
- पुदुच्चेरी (पांडिचेरी)

- हिमालय को छूने वाले 9 राज्य व 2 केन्द्र शासित प्रदेश हैं ।

राज्य

- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखण्ड
- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश
- नागालैंड
- मणिपुर
- मिजोरम
- त्रिपुरा
- मेघालय
- असम
- पश्चिम बंगाल

केंद्र शासित प्रदेश

- जम्मू कश्मीर
- लेह

- भारत के 8 राज्यों से होकर कर्क रेखा गुजरती है ।

राज्य

- गुजरात
- राजस्थान
- मध्य प्रदेश
- छत्तीसगढ
- झारखण्ड
- पश्चिम बंगाल
- त्रिपुरा
- मिजोरम

- भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है ।
- भारत का सबसे कम नगरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है ।
- भारत का मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन वाला राज्य है ।
- भारत का हरियाणा सबसे कम वन वाला राज्य है ।

- भारत का मासिनराम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है ।
- भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लेह में सबसे कम वर्षा होती है ।
- अरावली पर्वत सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है ।
- हिमालय पर्वत सबसे नवीन पर्वत श्रृंखला है ।
- पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाडी श्रीलंका को भारत से अलग करती है । पाक जलमडरूमध्य को पाक जल संधि के नाम से भी जाना जाता है ।
- मेकमोहन रेखा भारत और तिब्बत के बीच में स्थित है । यह रेखा 1914 में शिमला समझौते में निर्धारित की गयी थी ।
- डूरण्ड रेखा 1893 में सर डूरण्ड द्वारा भारत और अफगानिस्तान के बीच में डूरण्ड रेखा स्थापित की गई थी । परन्तु यह रेखा अब अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य है ।
- भारत और पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है । रेडक्लिफ रेखा का निर्धारण 17 अगस्त, 1947 को सर सिरिल रैडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग द्वारा किया गया था ।

1. सीमावर्ती सागर –
   - सीमावर्ती सागर क्षेत्र आधार रेखा से 12nm तक स्थित है ।
   - क्षेत्र में भारत का एकाधिकार है ।
2. संलग्न सागर –
   - संलग्न सागर क्षेत्र आधार रेखा से 24nm तक स्थित है ।
   - इस क्षेत्र में भारत के पास वित्तीय अधिकार हैं ।
3. अनन्य आर्थिक क्षेत्र –
   - अनन्य आर्थिक क्षेत्र आधार रेखा से 200**nm** तक स्थित है ।
   - इस क्षेत्र में भारत के पास आर्थिक अधिकार है तथा यहाँ भारत संसाधनों का दोहन, द्वीप निर्माण तथा अनुसंधान आदि कर सकता है ।
4. उच्च सागर
   - यहाँ सभी देशों का समान अधिकार होता है ।

सीमावर्ती देश

- **उत्तर-पश्चिम:** अफगानिस्तान और पाकिस्तान
  - भारत-पाकिस्तान सीमा: **रेडक्लिफ रेखा**
  - पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा: **डूरंड रेखा।**
- **उत्तर**: चीन, भूटान और नेपाल
  - भारत-चीन सीमा: **मैकमोहन रेखा।**
- **पूर्व**: म्यांमार, बांग्लादेश (भारत की बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी सीमा है)
- **दक्षिण**: पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी के माध्यम से श्री लंका से अलग।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले राज्य

- **बांग्लादेश**: कुल सीमा = 4096 किमी
  - **5 राज्य:** पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और असम
- **चीन**: कुल सीमा = 3488 किमी
  - **3 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम और लद्दाख
- **पाकिस्तान** : कुल सीमा = 3323 किमी
  - **4 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: जम्मू और कश्मीर, पंजाब, गुजरात, राजस्थान और लद्दाख
- **नेपाल**: कुल सीमा = 1751 किमी
  - **5 राज्य**: उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल
- **म्यांमार**: कुल सीमा = 1643 किमी
  - **4 राज्य**: अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड
- **भूटान**: कुल सीमा = 699 किमी
  - **4 राज्य:** अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम और पश्चिम बंगाल
- **अफगानिस्तान**: कुल सीमा = 106 किमी
  - **1 केंद्र शासित प्रदेश**: लद्दाख

भारतीय मानक मध्याह्न रेखा:

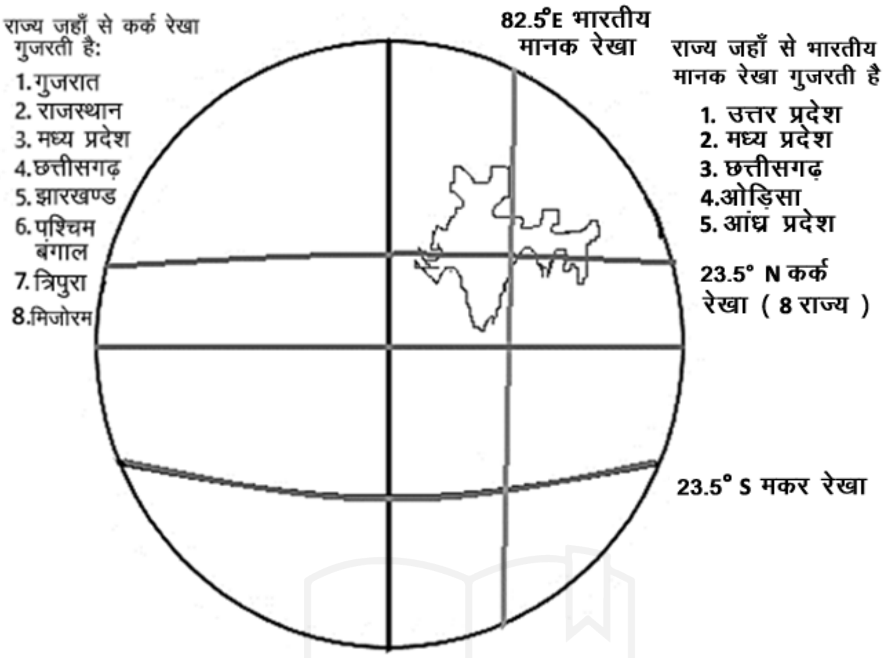

- **भारत की मानक रेखा 82°30'E देशांतर** है जो उत्तर प्रदेश के **मिर्जापुर से होकर गुजरती है** ।
- **इस** पर भारत का मानक समय आधारित है जो **ग्रीनविच मानक समय रेखा से 5 घंटे 30 मिनट आगे है** ।
- **कर्क रेखा** - (23°30′N) गुजरात , राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल , मिजोरम, और त्रिपुरा से गुज़रती है ।

भारत का इतिहास

प्राचीन इतिहास

- इतिहास शब्द ग्रीक अथवा यूनानी भाषा के शब्द हिस्टोरिया से बना है जिसका अर्थ होता है खोज अथवा छानबीन ।
- इतिहास का संबंध अतीत की उन घटनाओं से है जिनका हमारे पास लिखित एवं प्रमाणित तिथि उपलब्ध है ।
- ग्रीका विद्वान हैरोडोट्स ने इतिहास की प्रथम पुस्तक "हिस्टोरिका" लिखी ।
- हैरोडोट्स को इतिहास का पिता कहा जाता है ।
- इतिहास को जानने के लिए निम्न स्त्रोत है –
  1. पुरातात्विक स्त्रोत
  2. साहित्य स्त्रोत
  3. विदेशी यात्रियों का यात्रा वृतांत

अध्ययन की दृष्टि से भारतीय इतिहास को हम निम्न प्रकार बांट सकते है ।

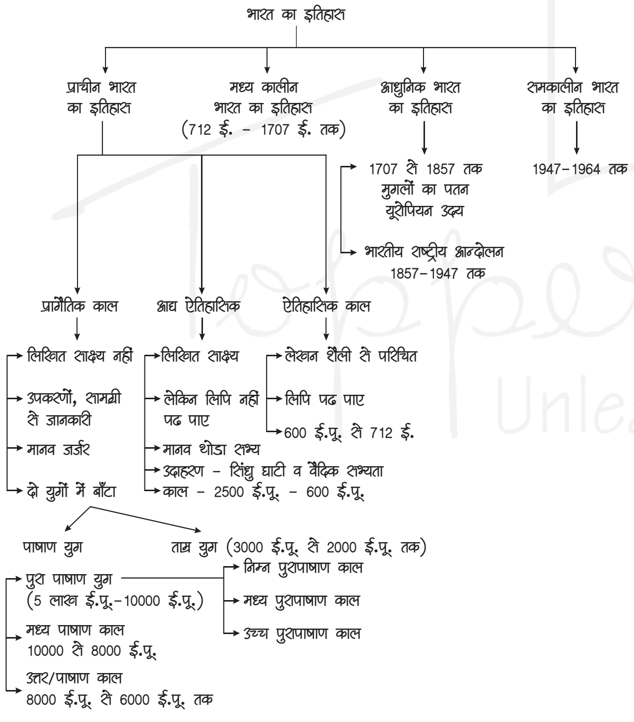

पुरापाषाण काल

- आधुनिक मानव होमोसेपियन्स का उदय ।
- मानव आग जलाना ।
- इस काल में चापर – चौपिग संस्कृति का उदय, डी एन वाडिया ने खोज की, यह उत्तर भारतीय संस्कृति है ।
- दक्षिण भारत की संस्कृति हैण्ड – एक्स संस्कृति है इसकी खोज रॉबर्ट ब्रुस फुट ने की ।
- चापर-चौपिंग एवं हैण्ड एक्स संस्कृति (उत्तर एवं दक्षिण) मिलन स्थल चौतरान (जम्मू कश्मीर) है ।

प्रमुख स्थल

भीम बेटका – शैला शील चित्रों के प्रसिद्ध; डीडवाना (राजस्थान); हथनौरा

मध्य पाषाण काल

- इस काल को माइक्रोलिथ काल कहते है, छोटे – छोटे पाषाण उपकरणों के कारण ।
- भारत में इस काल का जनक CL क्लाईल ।
- मानव ने इस काल में सर्वप्रर्थम पशु पालन करना सीखा ।
- पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य है । बागौर (राजस्थान) एवं आदमगढ (MP) में पाये जाते है ।
- मध्य पाषाण काल का सबसे प्राचीन स्थल सराय नाहर (यूपी) है ।

उत्तर/नव पाषाण काल

- सर जॉन लुबाक ने नव पाषाण काल शब्द दिया ।
- गार्डन चाइल्ड ने इस काल को "नव पाषाणिक क्रांति" कहा ।
- ली मैंसियर ने उत्तर भारत में नव पाषाणिक उपकरण खोजे ।
- नेविलियन फ्रेंजर ने दक्षिण भारत से नव पाषाणिक उपकरण खोजे ।
- मानव ने कृषि करना सीखा ।
- वृहद पैमाने पर पशुपालन एवं ग्रामीण संस्कृति के साक्ष्य मिले ।

प्रमुख स्थल

1. मेहरगढ (पाक) – नव पाषाण काल का सबसे प्राचीन स्थल
   8000 BC पूर्व कृषि के साथ साक्ष्य मिले ।
2. कोल्डी हवा – (यूपी) – 6000 वर्ष पूर्व चावल की खेती के साक्ष्य मिले ।
3. बुर्जहोम एवं गुफ्फकराल (J&K) बुर्जहोम से मानव के साथ कुत्ते को दफनाने के साक्ष्य भी मिले है ।

नोट – प्रागऐतिहासिक काल के जनक भारत में डा. प्राइम रोज थे । जिन्होने लिंगसुमुर (कर्नाटक) से पाषाण कालीन उपकरण खोजे थे । नव पाषाण काल में दक्षिण भारत की प्रमुख फसल रागी थी ।

सिन्धु घाटी सभ्यता

परिचय

हडप्पा सभ्यता

- चार्ल्स मेसन – 1826 ई. सबसे पहले सभ्यता की ओर ध्यान आकर्षित किया ।

- जॉन ब्रंटन व विलियम ब्रंटन – 1856 ई हड़प्पा नगर का सर्वे किया ।
- कनिंघम ने इस ओर दुनिया का ध्यान दिलाया, कनिंघम को भारतीय पुरातात्विक विभाग का पितामह कहा जाता है ।
- 1921 में सर जॉन मार्शल के निर्देशन में दयाराम साहनी ने इसका उत्खनन किया ।
- सर्वप्रथम इस स्थल की खोज होने के कारण यह स्थल हड़प्पा सभ्यता कहलाया ।

अन्य नाम

सिंधु घाटी सभ्यता
सरस्वती नदी घाटी सभ्यता
कांस्य युगीन सभ्यता
नगरीय सभ्यता

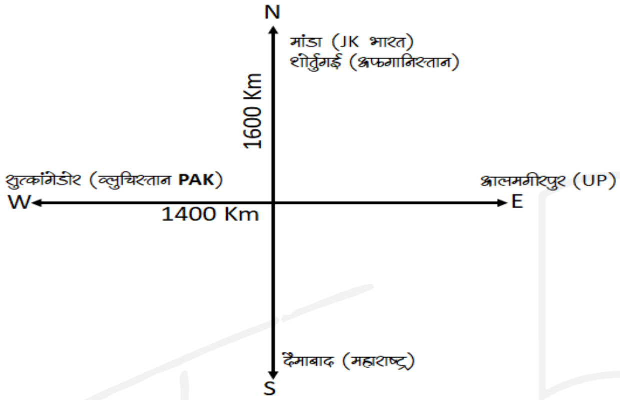

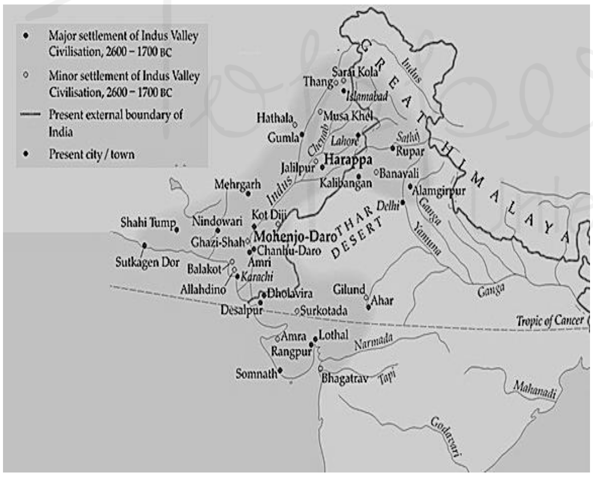

1300 किमी समुद्री सीमा

नोट

- अफगानिस्तान में सिंधु घाटी सभ्यता के मात्र दो स्थल थे – सार्तगोई एवं मुंडीगॉक है ।
- सार्तगोई से नहरों द्वारा सिंचाई के साक्ष्य मिले है
- सिंधु घाटी सभ्यता मेसोपोटामिया के सभ्यता से 12 गुना बडी थी जबकि मिश्र की सभ्यता से 20 गुना बडी थी ।
- आजादी से पूर्व खोजे समस्त स्थल पाकिस्तान में चले गये । भारत में केवल दो स्थल रहे, रंगपुर (गुजरात) और रोपड (पंजाब)

- भारत का सबसे बडा स्थल राखीगढी (हरियाणा) है, दूसरा बडा स्थल धौला वीरा (गुजरात) है ।
- पिग्गट ने हड़प्पा एवं मोहनजोदडो को सिन्धु सभ्यता की जुँडवा राजधानी बताया है ।
- बडे नगर (पाकिस्तान)
    - गनेडीवाल
    - हड़प्पा
    - मोहनजोदडों

निवासी

यहाँ से प्राप्त कंकालों के आधार पर चार प्रजातियों में बांटा जा सकता है ।

1. भूमध्य सागरीय
2. अल्पाईन
3. मंगोलायड
4. प्रोटो आस्ट्रालायड

सर्वाधिक प्रजाति भूमध्य सागरीय प्रजाति मिली है ।

नगर नियोजन

- नगर दो भागों में विभाजित – पश्चिमी भाग एवं पूर्वी भाग । पश्चिमी भाग दुर्ग था, पूर्वी भाग सामान्य नगर था ।
- पश्चिमी भाग में प्रशासनिक लोग रहते थे । तथापूर्वी भाग में जनसामान्य लोग रहते थे ।
- सिंधु घाटी सभ्यता में पक्की ईंटों के मकान है ।
- सिन्धु घाटी के समकालीन सभ्यताओ मे इस विशेषता का अभाव ।
- नगर परकोटे युक्त होते थे ।
- घरों के दरवाजे मुख्य सडक की तरफ न खुलकर पीछे की तरफ खुलते थे । केवल लोथल में मुख्य सडक की तरफ घरों के दरवाजे खुलते थे ।
- कालीबंगा दोहरे परकोटे युक्त है जबकि चन्हुदडो में कोई परकोटा नही ।
- धोलावीरा तीन भागों में विभक्त है । पश्चिमी, पूर्वी एवं मध्यम ।
- लोथल एवं सुरकोटडा का पश्चिमी एवं पूर्वी भाग दोनो ही एक ही परकोटे से घिरे हुए है ।
- नगर ग्रिड पद्धति पर आधारित थे अर्थात शतरंज के बोर्ड की तरह सभी नगरों को बसाया था तथा सभी मार्ग समकोण पर काटते थे ।
- सबसे चौडी सडक 10 मीटर (मोहनजोदडो) की मिलती है जो सम्भवतः राजमार्ग रहा होगा ।
- घरो मे उत्कृष्ट नाली व्यवस्था (जल निकासी हेतु)
- बडी नालियो को ढक कर रखते थे ।
- भवन के अन्दर सामान्यतः 3 या 4 कक्ष, रसोईघर, 1 विद्यालय स्नानागार एवं कुआं होता था ।
  कच्ची एवं पक्की ईंटो का प्रयोग करते थे ।
  ईंट का आकार – 1 : 2 : 4

- जल निकासी हेतु पक्की ईंटों की नालियां होती थी विश्व की किसी अन्य सभ्यता में पक्की नालियों के साक्ष्य नही मिलते थे ।

प्रमुख नगर

1. हड़प्पा

पाकिस्तान के पंजाब के मोंटगोमरी जिले मे स्थित (अब- शाहीवाल जिले मे) रावी नदी के तट पर

- उत्खननकर्ता – दयाराम साहनी
- रावी नदी के तट पर श्रमिको के आवास एवं अन्नागार मिलते हैं ।
- R – 37 नामक कब्रिस्तान मिलता है । एक शव को ताबूत मे दफनाया गया है, इसे विदेशी की कब्र कहते है ।
- शंख का बना बैल व 18 वर्ताकार चबूतरे मिले है ।
- यहाँ से सर्वाधिक अभिलेख युक्त मुहरें मिली है ।
- 6 – 6 की पंक्ति में कुल 12 कमरों वाला आवास स्थल मिला है ।
- एक स्त्री के गर्भ से निकलता हुआ पौधा की मृणमूर्ति मिली है । सम्भवतः यह उर्वरता की देवी होगी ।

2. मोहनजोदडो

- स्थिति = लरकाना (सिन्ध, PAK)
- सिन्धु नदी के तट पर
- उत्खननकर्ता = राखालदास बनर्जी
- मोहनजोदडो का शाब्दिक अर्थ = मृतकों का टीला (सिन्धी भाषा)

(i) विशाल स्नानागार –
  (a) 11.88 × 7.01 × 2.43 मीटर
  (b) सम्भवतया यहाँ धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता रहा होगा ?
  (c) सर जॉन मार्शल ने इसे तात्कालिक समय की आश्चर्यजनक इमारत कहा है ।

(ii) विशाल अन्नागार सिंधु सभ्यता की सबसे बडी इमारत है । ल. 45.71×15.23 मीटर चौडी है ।
(iii) महाविद्यालय के साक्ष्य
(iv) सूती कपडे के साक्ष्य
(v) हाथी का कपालखण्ड
(vi) कांसा की नर्तकी की मूर्ति मिली है ।
(vii) पुरोहित राजा की मूर्ति जो ध्यान की अवस्था में है ।
  (a) इसने शॉल ओढ रखी है जिस पर कशीदाकारी का कार्य किया गया है ।
(viii) यहाँ से मेसोपोटामिया की मुहर मिलती है ।
(ix) योगी की मूर्ति मिली है ।
(x) शिव की मूर्ति मिली है ।
(xi) बाढ से पतन के साक्ष्य मिलते है ।
(xii) सर्वाधिक मुहरें सिंधु घाटी सभ्यता के यहाँ मिलती है ।

3. लोथल

स्थिति = गुजरात

- भोगवा नदी के किनारे
  उत्खननकर्ता = S. R. राव (रंगनाथ राव)
  → यह एक व्यापारिक नगर था ।
  (i) यहाँ से गोदीवाडा (Dockyard) मिलता है
    (a) यह सिन्धु घाटी सभ्यता की सबसे बडी कृति है ।
  (ii) मनके (Bead) बनाने का कारखाना
  (iii) चावल के साक्ष्य
  (iv) फारस की मुहर जो गोलाकार बटननुमा है
  (v) घोडे की मृण्मूर्तियाँ
  (vi) चक्की के दो पाट
  (vii) घरों के दरवाजे मुख्य मार्ग पर खुलते है (एकमात्र)
  (viii) छोटे दिशा सूचक यंत्र

4. सुरकोटडा / सुरकोटदा

- स्थिति = गुजरात
  (i) घोडे की हड्डियाँ
- सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगो को घोडे का ज्ञान नहीं था ।

5. रोजदी (गुजरात)

हाथी के साक्ष्य

6. रोपड (PB)

- मनुष्य के साथ कुत्ते को दफनाने के साक्ष्य

7. धौलावीरा

गुजरात – कच्छ जिला (किसी नदी तट पर नहीं)
उत्खननकर्ता – रविन्द्र सिंह विष्ट (1990 में)

- यह सबसे नवीन नगर है जिसका उत्खनन किया गया
- कृत्रिम जलाशय के साक्ष्य । संभवतः नहरों के माध्यम से खेती करते होंगे । (दुर्गभाग)
- यह नगर 3 भागों में बंटा हुआ था ।
- स्टेडियम एवं सूचना पट्ट के अवशेष मिलते है (खेल का मैदान)

8. चन्हुदड़ों

उत्खननकर्त्ता - एन. मजूमदार (डाकूओं ने हत्या कर दी) - अर्नेस्ट मैके

- मनके बनाने के कारखाने (मणिकारी), मुहर बनाने का काम आदि ।
- औद्योगिक नगर
- झाकर एवं झुकर संस्कृति के साक्ष्य मिलते है ।
- कुत्ते द्वारा बिल्ली का पीछा करने के पद चिन्ह है ।
- एक सौन्दर्य पेटिका मिली है । जिसमें एक लिपिस्टिक है ।

कालीबंगाः-

अवस्थिति- हनुमानगढ
नदी-घग्घर/सरस्वती/दृषद्वती/चौतांग
उत्खननकर्ता- अमलानन्द घोष
(1952)अन्य सहयोगी- बी. बी. लाल
बी. के. थापर
जे. पी. जोशी एम. डी. खरे
कालीबंगा शाब्दिक अर्थ- काली चुडिया (पंजाबी भाषा का शब्द)
उपनाम- दीन हीन बस्ती- कच्ची ईटों के मकान ।

सामग्री

- सात अग्नि वेदिकाएँ एवं हवन कुण्ड मिले है ।
- युग्मित शवाधान प्राप्त हुए ।
- एक मानव कपाल खण्ड मिला है, जिसे मस्तिष्क शोधन बीमारी तथा शल्य चिकित्सा की जानकारी मिलती है ।
- जूते हुए खेत के साक्ष्य मिलते है (एकमात्र स्थान) एक साथ दो फसले, उगाया करते थे, जौ एवं सरसों
- मकान कच्ची ईटों के थे बल्लियो की छत होती थी
- जल निकाली हेतु लकडी की नालियों के साक्ष्य मिले है अर्थात सुदृढ जल निकासी व्यवस्था नही थी ।
- ईटों को धूप से पकाया जाता था ।
- वृताकार चबूतरे एवं बेलनाकार मुहरे (मेसोपोटामिया) मिली है ।
- लाल रंग के मिट्टी के बर्तन मिले है जिन पर काली एवं सफेद रंग की रेखाएँ खीचीं गई है ।
- यहाँ से एक खिलौना गाडी एवं पंख फैलाए बगुले की मूर्ति मिली है।
- यहाँ से बैल व बारहसिंहा के अस्थि अवशेष मिले है।
- यहाँ का नगर अन्य हडप्पा स्थलों की तरह ही है, लेकिन यहाँ गढी एवं नगर दोनों दोहरे परकोटे युक्त है।
- यहाँ उत्खनन में पांच स्तर प्राप्त हुए है प्रथम दो स्तर प्राक हडप्पा कालीन है । अन्य तीन स्तर समकालीन हडप्पा है
- यहाँ प्राचीनतम भूकम्प के साक्ष्य प्राप्त होते है ।
- इतिहासकार दशरथ शर्मा के अनुसार यह हडप्पा सभ्यता की तीसरी राजधानी है ।

हडप्पा लिपि

- लगभग 64 मूल चिह्न व 400 तक अक्षर
- दायीं से बायीं ओर लिखते थे ।
- गोमूत्राक्षर लिपि एवं भाव-चित्रात्मक लिपि थी ।
- 375 से 400 तक भाव एवं शब्दों का प्रयोग करते थे ।

पतन के कारण

- गार्डन चाइल्ड तथा व्हीलर के अनुसार आर्यो का आक्रमण
- रंगनाथ राव तथा सर जॉन मार्शल - बाढ
- लोम्बिरिक-सिंधु नदी का मार्ग बदलता
- आरस्टाईन एवं अमलानंद घोष-जलवायु परिवर्तन

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कपास का उत्पादन सर्वप्रर्थम सिंधुवासियों ने किया ।
- सारगोन अभिलेख में सिंधु वासियों को मेलुहा (नाविको का देश) कहा गया है ।
- सिंधु वासियों का प्रिय पशु कुबड वाला बैल था ।
- दूसरा मुख्य पशु एक सींग वाला गेंडा था ।
- मातृ सत्तात्मक वाला समाज था ।

भारतीय संविधान

भारतीय संविधान

भारतीय संविधान के विकास का संक्षिप्त इतिहास

1773 ई. का रेग्युलेटिंग एक्टः- तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री लॉर्ड नार्थ द्वारा 1772 ई. में गठित गुप्त समिति के प्रतिवेदन पर 1773 ई. में ब्रिटिश संसद द्वारा रेग्युलेटिंग एक्ट पारत किया गया। इसकी मुख्य बातें इस प्रकार हैं:-

1. कम्पनी के डायरेक्टर सभी प्रकार के कार्यो से सरकार को अवगत कराएँ।
2. संचालन मण्डल का कार्यकाल चार वर्ष कर दया गया।
3. बंगाल में 1774 ई. में एक उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गई।
4. बंगाल में एक प्रशासक मंडल गठित किया गया, जिसमें गवर्नर जनरल तथा चार पार्षद नियुक्त किये गये।
5. कानून बनाने का अधिकार गवर्नर जनरल तथा उसकी परिषद् को दिया गया।
6. बंगाल के गवर्नर को अब समस्त अंग्रेजी क्षेत्रों का गवर्नर कहा गया ।

1793 का चार्टर एक्ट The Charter Act of 1793:-
कम्पनी के कार्यो और संगठन में सुधार करने के लिए यह अधिनियम पारित किया गया था। इस अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:-

1. कम्पनी के व्यापारिक अधिकारों को अगले 20 वर्षो के लिए बढा दिया गया।
2. शासकों के व्यक्तिगत नियमों की जगह ब्रिटिश भारतीय क्षेत्र में लिखित विधि-विधानों द्वारा प्रशासन की आधारशिला रखी गई।
3. गवर्नर जनरल एवं गवर्नरों की परिषदों के सदस्यों की योग्यता के लिए सदस्य को कम-से-कम 12 वर्षो के तक भारत में रहने के अनुभव को आवश्यक कर दिया गया।
4. नियंत्रक मण्डल के सदस्यों को भारतीय राजस्व से वेतन देने का प्रावधान किया गया।
5. सभी कानूनों एवं विनियमों की व्याख्या का अधिकार न्यायालय को दिया गया ।

1833 का चार्टर अधिनियम The Charter Act of 1833:-
1833 ई. में चार्टर अधिनियम पारित किया गया, जिसमें निम्नलिखित प्रावधान किये गये थे।

1. कम्पनी के व्यापारिक एकाधिकार (चाय के व्यापार तथा चीन के साथ व्यापार करने संबंधी) को समाप्त करके उसे प्रशासनिक तथा राजनीतिक संस्था बना दिया गया।
2. कम्पनी के नियंत्रक मण्डल के अधिकार को सीमित किया गया।
3. बंगाल के गवर्नर जनरल को सम्पूर्ण भारत का गवर्नर जनरल बनाया गया।
4. गवर्नर जनरल की परिषद् को सम्पूर्ण भारत के लिए कानून बनाने का अधिकार प्रदान किया गया।

1858 का भारत शासन अधिनियम The Government of India Act, :- 1858 इस अधिनियम में निम्नलिखित प्रावधान किये गये थे

1. भारत में कम्पनी के शासन को समाप्त कर दिया गया तथा शासन का उत्तरदायित्व ब्रिटिश सरकार (ब्रिटेन की संसद) को सौंप दिया गया।
2. कम्पनी के निदेशक मण्डल, नियंत्रक मण्डल तथा गुप्त समिति को समाप्त करके इनके अधिकारों तथा शक्तियों के प्रयोग का अधिकार ब्रिटेन की साम्राज्ञी की ओर से भारत राज्य सचिव (Secretary of state for india) को सौंप दिया गया।
3. भारत राज्य सचिव के कार्यो में सहायता देने हेतु 15 सदस्यों की एक 'भारत परिषद्' की स्थापना की गयी।
4. भारत के गवर्नर जनरल का नाम वायसराय कर दिया गया।
5. कम्पनी की सेनाओं को ब्रिटिश शासन के अधीन कर दिया गया।

भारतीय परिषद् अधिनियम 1861 Indian Council Act, 1861:- इस अधिनियम में निम्नलिखित व्यवस्था की गयी थी

1. गवर्नर जनरल को नियम बनाने का अधिकार प्रदान किया गया।
2. गवर्नर जनरल को अध्यादेश जारी करने का अधिकार दिया गया।
3. गवर्नर जनरल को विधायी कार्यो हेतु नये प्रान्त के निर्माण का तथा नवनिर्मित प्रान्त में गवर्नर या लेफ्टिनेंट गवर्नर को नियुक्त करने का अधिकार दिया गया।
4. केन्द्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों की संख्या 4 से बढाकर 5 कर दी गई।
5. गवर्नर जनरल की विधान परिषद् की संख्या में वृद्धि कर की गयी।
   नोटः-1909, 1919, 1935 के अधिनियम की चर्चा इतिहास में की जा चुकी है ।

संविधान की पृष्ठभूमि

संविधान सभा

- सर्वप्रथम 1935 में कांग्रेस ने संविधान सभा की मांग की ।
- 1938 में कांग्रेस ने यह मांग की कि प्रत्यक्ष निर्वाचन से संविधान सभा का निर्माण किया जाना चाहिए
- 1940 अगस्त प्रस्ताव – इसके तहत पहली बार ब्रिटिश सरकार द्वारा यह स्वीकार किया गया कि संविधान सभा में भारतीय सदस्य होगें और भारतीय सदस्य ही संविधान बनाएगें ।
- 1942 क्रिप्स मिशन – इसके तहत पहली बार संविधान सभा एवं इसके निर्वाचन की प्रक्रिया का निर्धारण किया गया ।
- 1946 कैबिनेट मिशन – इसकी सिफारिश के आधार पर संविधान सभा का निर्वाचन जुलाई – अगस्त 1946 में हुआ । संविधान सभा का चुनाव प्रान्तीय विधानमंडल के निम्न सदन के सदस्यों द्वारा आनुपातिक पद्धति के एकल संक्रमणीय मत के द्वारा किया गया । इसके तहत संविधान सभा के सदस्यों को 3 श्रेणियों में विभाजित किया गया ।
  (1) मुस्लिम (2) सिक्ख
  (3) सामान्य

संविधान सभा के सदस्य :-

संविधान सभा की प्रथम बैठक :- 9 दिसम्बर 1946 अध्यक्ष – सच्चिदानंद सिन्हा

संविधान सभा की दूसरी बैठक :- 11 दिसम्बर

1946 स्थायी अध्यक्ष – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद,
उपाध्यक्ष – H. C. मुखर्जी
सलाहकार – B. N. राव

- संविधान का पहला प्रारूप B. N. राव ने तैयार किया संविधान का मुख्य प्रारूप B. R. अम्बेडकर ने तैयार किया ।
- 13 दिसम्बर को जवाहर लाल नेहरू द्वारा 'उद्देश्य प्रस्ताव' पेश किया गया जो कि 22 जनवरी 1947 को पास किया गया ।

उद्देश्य प्रस्ताव

- यह एक प्रकार से संविधान के लिए संविधान की रूपरेखा थी । इसमें संविधान के मूल आदर्शो की स्थापना की गई । यह एक मार्गदर्शिका थी ।
- संविधान सभा ने अपने कार्य विभाजन के लिए अनेक समितियों का गठन किया, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण समितियां इस प्रकार है –

क्र.सं.	समितियां	अध्यक्ष
1.	संघीय शक्ति समिति	जवाहरलाल नेहरू
2.	संघीय संविधान समिति	जवाहरलाल नेहरू
3.	प्रान्तीय संविधान समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
4.	मूल अधिकार एवं अल्पसंख्यक के समर्थन में सलाहकार समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
5.	राष्ट्रीय ध्वज के संदर्भ में तदर्थ समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
6.	मूल अधिकारों के संदर्भ में उप समिति	जे. बी. कृपलानी
7.	अल्प संख्यकों के संदर्भ में उप समिति	एच. सी. मुखर्जी
8.	प्रारूप समिति	भीमराव अम्बेडकर

प्रारूप समिति :-

- इसमें कुल 7 सदस्य थे ।
- अध्यक्ष – भीमराव अम्बेडकर
- अन्य सदस्य –
  1. गोपाल स्वामी आयंगर
  2. अल्लदी कृष्णा स्वामी अय्यर
  3. के. एम. मुंशी
  4. सईद मोहम्मद सादुल्ला
  5. बी. एल. मिश्र, स्वास्थ्य खराब होने के कारण इसके स्थान पर एन. माधवराव आए थे ।
  6. डी. पी. खैतान, मृत्यु होने पर इसके स्थान पर टी. टी. कृष्णामाचारी आए थे ।
- 15 अगस्त 1947 के बाद भारत व पाकिस्तान के विभाजन के बाद संविधान सभा में 299 सदस्य रह गए थे ।
- अंतिम रूप से संविधान पर 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे । जे. पी. नारायण एवं तेज बहादुर सप्रु ने खराब स्वास्थ्य के कारण संविधान सभा से इस्तीफा दे दिया ।
- 22 जुलाई 1947 के बाद संविधान सभा ने तिरंगे झंडे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में मान्यता दी ।
- 15 अगस्त 1947 के बाद संविधान सभा ने विधानमंडल का कार्य भी किया जिसके अध्यक्ष जी. वी. मावलंकर थे ।
- 1948 में संविधान सभा ने राष्ट्रमंडल की सदस्यता के लिए मान्यता दे दी ।

- संविधान सभा में 15 महिला सदस्य थी । सरोजनी नायडू, ऊषा मेहता, दुर्गा बाई देशमुख एवं अन्य
- 26 नवम्बर 1949 को संविधान बनकर तैयार हो गया और इसी दिन 284 सदस्यों ने संविधान पर अंतिम हस्ताक्षर किये । इसी दिन से 15 अनुच्छेद लागू किये गये । संविधान का शेष भाग 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ ।
- संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 को हुई थी, जिसमें राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रीय गान को मान्यता दी गयी । इसके बाद भी संविधान सभा विधानमंडल के रूप में कार्य करती रही । इसके बाद 1952 में संसद के गठन के बाद संविधान सभा पूर्णतया समाप्त हो गयी ।

- **संविधान सभा का मूल संविधान** :- भाग = 22, अनुच्छेद = 395, अनुसूचियाँ = 12
  वर्तमान में :- भाग = 24 (चार नए भाग हैं- 4A, 9A, 9B, 14A) (नोट- 7 वां भाग 7 वें संविधान संशोधन द्वारा समाप्त कर दिया गया ।) अनुच्छेद = 446, अनुसूचियाँ = 12

भारतीय संविधान के स्त्रोत

1. **भारत सरकार अधिनियम 1935** :- यह भारतीय संविधान का मुख्य स्त्रोत है । हमारे संविधान के लगभग 2/3 अनुच्छेद इसी से लिए गए है । आपातकाल लगाने की व्यवस्था केन्द्र व राज्यों के बीच विषयों का विभाजन आदि ।

2. **ब्रिटेन/इंग्लैण्ड** :-
   (1) संसदीय शासन व्यवस्था
   (2) कैबिनेट व्यवस्था
   (3) सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना
   (4) राष्ट्रपति का अभिभाषण
   (5) रिट जारी करना
   (6) एकल नागरिकता
   (7) न्याय के समक्ष समानता
   (8) First Past The Post System (सर्वाधिक मत लाने वाला व्यक्ति विजयी होगा)
   (9) CAG की व्यवस्था, विधि का शासन

3. **अमेरिका** :-
   (1) मूल अधिकार
   (2) न्यायिक पुनरावलोकन
   (3) न्यायिक सर्वोच्चता
   (4) विधि की सम्यक प्रक्रिया (Due Process of Law)
   (5) राष्ट्रपति पर महाभियोग
   (6) सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के जजों को हटाने की प्रक्रिया
   (7) प्रस्तावना की शुरूआत ''हम भारत के लोग भारत को''
   (8) उपराष्ट्रपति का पद

4. **आयरलैण्ड** :-
   (1) नीति निदेशक तत्व
   (2) राष्ट्रपति की निर्वाचन पद्धति
   (3) राज्यसभा में 12 सदस्यों का मनोनयन

5. **ऑस्ट्रेलिया** :-
   (1) समवर्ती सूची
   (2) संयुक्त अधिवेशन
   (3) अन्तर्राज्यीय व्यापार-वाणिज्य और समागम
   (4) प्रस्तावना का प्रारूप

6. दक्षिण अफ्रीका :-
(1) संविधान संशोधन
(2) राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन

7. कनाडा :-
(1) संघात्मक ढांचा – केन्द्र राज्यों की तुलना में अधिक शक्तिशाली है, अवशिष्ट शक्ति केन्द्र के पास होती है ।
(2) राज्यपाल की नियुक्ति (जो कि केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रपति करता है)
(3) सुप्रीम कोर्ट की परामर्शदात्री व्यवस्था

8. फ्रांस :-
(1) गणतंत्रात्मक व्यवस्था
(2) स्वतंत्रता, समानता बंधुत्व

9. जर्मनी :-
(1) वाइमर/वीमर गणतंत्र
(आपातकाल में मूल अधिकारों का निलम्बन)

10. रूस :-
(1) मूल कर्तव्य
(2) न्याय (सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक न्याय) - Preamble

11. जापान :- (1) विधि के द्वारा स्थापित प्रक्रिया (अनुच्छेद – 21)

संविधान के भाग

भाग 1

संघ और उसका राज्यक्षेत्र (Union and the territory)

अनुच्छेद 1 : संघ का नाम और राज्यक्षेत्र
अनुच्छेद 2 : नए राज्यों का प्रवेश या स्थापना
अनुच्छेद 2 क : निरसित (Deleted)
अनुच्छेद 3 : नए राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन
अनुच्छेद 4 : पहली अनुसूची और चौथी अनुसूची के के संशोधन तथा अनुपूरक आनुषंगिक और पारिणामिक विषयों का उपबंध करने के लिए अनुच्छेद 2 और अनुच्छेद 3 के अधीन बनाई गई विधियाँ

भाग 2

नागरिकता (Citizenship)

अनुच्छेद 5 : संविधान के प्रारम्भ पर नागरिकता
अनुच्छेद 6 : पाकिस्तान से भारत को प्रवजन करने वाले कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार
अनुच्छेद 7 : पाकिस्तान को प्रवजन करने वाले कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार
अनुच्छेद 8 : भारत के बाहर रहने वाले भारतीय उद्भव के कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार
अनुच्छेद 9 : विदेशी राज्य की नागरिकता स्वेच्छा से अर्जित करने वाले व्यक्तियों का नागरिक न होना ।
अनुच्छेद 10 : नागरिकता के अधिकारों का बना रहना
अनुच्छेद 11 : संसद् द्वारा नागरिकता के अधिकार का विधि द्वारा विनियमन किया जाना

अर्थव्यवस्था

बजट निर्माण

वार्षिक वित्तीय विवरण (बजट)

- बजट शब्द का प्रयोग संविधान में कहीं नहीं किया गया है।
- **अनुच्छेद 112:** केंद्रीय बजट - जिसे वार्षिक वित्तीय विवरण (AFS) कहा जाता है।
- इसमें सरकार की अनुमानित प्राप्तियां और व्यय (एक वित्तीय वर्ष) शामिल हैं। (चालू वर्ष के 1 अप्रैल से अगले वर्ष के 31 मार्च तक)।

बजट के प्रकार

संतुलित बजट	• सरकार अपने द्वारा एकत्रित राजस्व के बराबर राशि खर्च कर सकती है।
अधिशेष बजट	• यदि अपेक्षित सरकारी राजस्व किसी विशेष वित्तीय वर्ष में अनुमानित सरकारी व्यय से अधिक है।
घाटा बजट	• यदि अनुमानित सरकारी व्यय किसी विशेष वित्तीय वर्ष में अपेक्षित सरकारी राजस्व से अधिक है।
परिणाम बजट	• यह एक ऐसा बजट है जो परिव्ययों को परिणामों में परिवर्तित करता है, • व्यय की योजना बनाकर, उपयुक्त लक्ष्य निर्धारित करके, प्रदेयों की मात्रा निर्धारित करके। • विभिन्न मंत्रालयों के अंतर्गत प्रत्येक योजना/कार्यक्रम के परिणामों को सभी की जानकारी में लाना।
लिंग बजटिंग	• यह एक लेखांकन अभ्यास नहीं है बल्कि नीति/कार्यक्रम निर्माण, इसके कार्यान्वयन और समीक्षा में एक जेंडर परिप्रेक्ष्य रखने की एक सतत प्रक्रिया है।
शून्य आधारित बजटिंग	• हर बार बजट बनने पर सभी खर्चों का मूल्यांकन किया जाता है और प्रत्येक नई अवधि के लिए खर्चों को उचित ठहराया जाता है।
सूर्यास्त बजटिंग	• एक समय सीमा के साथ घोषित - एक निर्धारित समय के भीतर आत्म-विनाश के लिए डिज़ाइन किया गया।

बजट घटक

- राजस्व और पूंजीगत प्राप्तियों का अनुमान।
- राजस्व बढ़ाने के तरीके और साधन।
- व्यय का अनुमान।
- वास्तविक प्राप्तियों और व्यय का विवरण (अंतिम वित्तीय वर्ष)।
- आने वाले वर्ष की आर्थिक और वित्तीय नीति।
    - इसमें कराधान प्रस्ताव, राजस्व की संभावनाएं, व्यय कार्यक्रम और नई योजनाओं/परियोजनाओं की शुरूआत शामिल है।

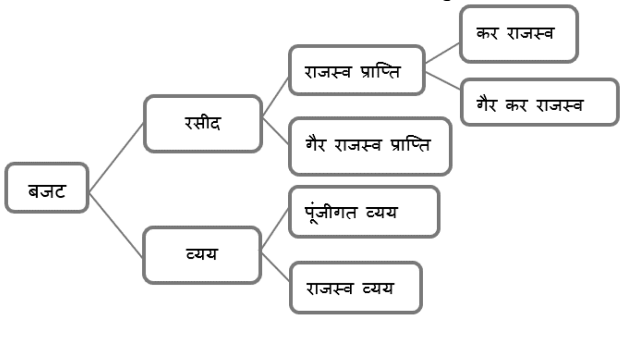

प्राप्तियां

राजस्व प्राप्तियां	• कर राजस्व: सरकार द्वारा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर के रूप में एकत्र किया जाता है। • गैर-कर राजस्व: PSU से लाभ और लाभांश, सरकार द्वारा प्राप्त अनुदान, वित्तीय और सामान्य सेवाएं, सरकार द्वारा अग्रेषित ऋण पर ब्याज, शुल्क, दंड, जुर्माना आदि।
गैर-राजस्व प्राप्तियां	• सरकार द्वारा लिया गया ऋण जो सरकार पर वित्तीय दायित्व रखता है।

व्यय

राजस्व व्यय	• किसी भी संपत्ति के निर्माण या दायित्व में कमी के कारण व्यय नहीं। • जैसे: सरकारी कर्मचारियों का वेतन, ऋण पर ब्याज भुगतान, पेंशन, सब्सिडी, अनुदान, ग्रामीण विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं आदि। • उद्देश्य : सरकारी मशीनरी के सामान्य कामकाज को सुनिश्चित करना। ○ किसी भी पूंजीगत संपत्ति का निर्माण नहीं करना। ○ प्रकृति में आवर्ती
पूंजीगत व्यय	• व्यय या तो एक संपत्ति बनाता है (जैसे स्कूल की इमारत) या देयता को कम करना (जैसे ऋण का पुनर्भुगतान)। • ऋण का पुनर्भुगतान (यह देयता को कम करता है)। • प्रकृति में गैर-आवर्ती।

विकासात्मक और गैर-विकासात्मक व्यय

विकासात्मक व्यय	गैर-विकासात्मक व्यय
• उत्पादक प्रकृति के सभी व्यय • **उदाहरण:** नए कारखानों, बांधों, पुलों, सड़कों, रेलवे, आदि के प्रमुखों पर सभी निवेश	• उपभोग्य प्रकार के व्यय और इसमें कोई उत्पादन शामिल नहीं है • **उदाहरण:** वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान, सब्सिडी, रक्षा खर्च आदि का भुगतान।

योजनागत और गैर-योजनागत व्यय

योजना व्यय	गैर योजना व्यय
• सभी व्यय - भारत में नियोजन के नाम पर किया जाता है • विकासात्मक व्यय के रूप में जाना जाता है • उदाहरण: सभी परिसंपत्ति निर्माण, और उत्पादक व्यय	• व्यय : अनियोजित • गैर-विकासात्मक के रूप में जाना जाता है • उदाहरण: सभी उपभोग्य, गैर-उत्पादक, गैर-परिसंपत्ति भवन

बजट में अनुमान

वास्तविक अनुमान	• सरकार द्वारा संबंधित क्षेत्र को दी गई वास्तविक राशि का प्रतिनिधित्व करता है।
बजट अनुमान (BE)	• आने वाले वित्तीय वर्ष के लिए किसी भी मंत्रालय या योजना को बजट में आवंटित राशि। • वास्तविक से BE में परिवर्तन अवधि के लिए चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) का प्रतिनिधित्व करता है। • सरकार की इच्छाओं और महत्वाकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है।
संशोधित अनुमान (RE)	• बजट के शेष, नई सेवाओं और सेवा के साधनों आदि को ध्यान में रखते हुए संभावित व्यय का मध्य वर्ष का मूल्यांकन। • इन पर संसद द्वारा मतदान नहीं किया जाता है और इसलिए ये स्वयं खर्च करने के लिए कोई प्राधिकरण नहीं देते हैं। • संशोधित अनुमानों में किए गए किसी भी अतिरिक्त अनुमानों को खर्च करने से पहले संसद या पुनर्विनियोग आदेश द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।
त्वरित अनुमान (QE)	• नवीनतम स्थिति को दर्शाने वाले संशोधित अनुमान का प्रकार। • किसी क्षेत्र या उप-क्षेत्र के लिए भविष्य के अनुमानों के लिए उपयोगी। • यह एक अंतरिम डेटा भी है।
अग्रिम अनुमान (AE)	• एक त्वरित अनुमान की तरह लेकिन अंतिम चरण से पहले जब डेटा एकत्र किया जाता है। • यह एक अंतरिम डेटा भी है।

बजट के अधिनियमन की प्रक्रिया

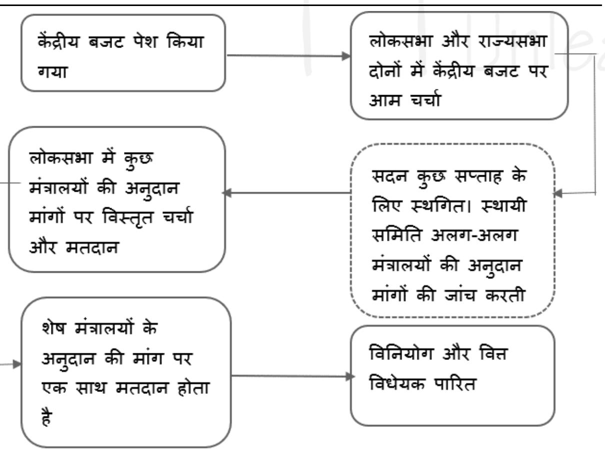

सरकारी खाते

भारत की संचित निधि	• यह एक ऐसा कोष है जिसमें सभी प्राप्तियों को जमा किया जाता है और सभी भुगतानों को डेबिट किया जाता है। • **शामिल** ○ सरकार द्वारा प्राप्त सभी राजस्व। ○ ट्रेजरी बिल, ऋण या अग्रिम के तरीके और साधन जारी करके उठाए गए सभी ऋण, ○ प्राप्त सभी धन - ऋणों के पुनर्भुगतान में भारत की संचित निधि का निर्माण होता है।
भारत का सार्वजनिक खाता	• अन्य सभी सार्वजनिक धन (उनके अलावा जो CFI में जमा किए जाते हैं) सरकार द्वारा या सरकार की ओर से प्राप्त किए जाते हैं, और भारत के सार्वजनिक खाते में जमा किए जाते हैं। • शामिल हैं: भविष्य निधि जमा, न्यायिक जमा, बचत बैंक जमा, विभागीय जमा, प्रेषण आदि • इस तरह के भुगतान ज्यादातर बैंकिंग लेनदेन की प्रकृति में होते हैं।
भारत की आकस्मिकता निधि	• इस कोष को कानून द्वारा निर्धारित राशि का समय-समय पर भुगतान किया जाता है।

घाटा वित्तपोषण

- **घाटा वित्तपोषण:** राजस्व से अधिक व्यय के परिणामस्वरूप होने वाले घाटे को वित्तपोषित करने के लिए धन का सृजन।
- **स्रोत:** बाहरी सहायता, बाहरी अनुदान, बाहरी और आंतरिक उधार, मुद्रा की छपाई।

भारत में घाटा वित्तपोषण

- स्वतंत्रता के ठीक बाद भारत को एक नियोजित अर्थव्यवस्था घोषित किया गया था।
- रुपये के साथ-साथ विदेशी मुद्रा रूपों में भी भारी धन की आवश्यकता थी क्योंकि सरकार की विकास जिम्मेदारियां बहुत अधिक थीं।
- भारत को अपनी पंचवर्षीय योजनाओं का समर्थन करने के लिए आवश्यक निधि के प्रबंधन में निरंतर संकट का सामना करना पड़ा क्योंकि न तो विदेशी धन लिया जा सकता था और न ही आंतरिक संसाधन पर्याप्त मात्रा में जुटाए जा सकते थे।
- 1960 के दशक के अंत तक, सरकार ने घाटे के वित्तपोषण की ओर अग्रसर किया और 1970 के दशक से, भारत ने उच्च और उच्च राजकोषीय घाटे के लिए जाना शुरू कर दिया और हर नए साल के साथ घाटे के वित्तपोषण में वृद्धि पर अधिक से अधिक निर्भर हो गया।

घाटे के वित्तपोषण की आवश्यकता

- यह तब होता है जब सरकार को विकास के लिए जाने के लिए किसी विशेष अवधि में अर्जित या उत्पन्न होने से अधिक धन खर्च करने की आवश्यकता होती है।
- एक बार वृद्धि होने के बाद, आय से अधिक खर्च किए गए अतिरिक्त धन की प्रतिपूर्ति या पुनर्भुगतान किया जाता है।
- भारत ने 1969 में घाटे के वित्तपोषण में अपना हाथ आजमाया और 1970 के दशक से यह एक नियमित घटना बन गई।

घाटे के वित्तपोषण के साधन

- ये वे तरीके हैं जिनके द्वारा सरकार विकास या राजनीतिक जरूरतों के लिए अपने बजट को बनाए रखने के लिए घाटे के रूप में बनाई गई राशि का उपयोग करती है।

ये साधन नीचे दिए गए हैं:

<table>
<tr><td>**बाहरी सहायता**</td><td>

- सरकार की घाटे की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ये सबसे अच्छे साधन हैं
- सरकार अपनी आर्थिक जरूरतों को बनाए रखने के लिए किसी भी अंतरराष्ट्रीय संस्था या किसी अन्य देश से बाहरी सहायता प्राप्त कर सकती है
- इन्हें नरम ब्याज या बिना ब्याज के दिया जा सकता है

</td></tr>
<tr><td>**बाहरी उधार**</td><td>

- राजकोषीय घाटे को प्रबंधित करने का ये अगला सबसे अच्छा तरीका है
- चूंकि बाहरी ऋण तुलनात्मक रूप से सस्ते और लंबी अवधि के होते हैं।
- इन्हें आंतरिक उधारों से बेहतर माना जाता है:
  - बाहरी उधार विदेशी मुद्रा/हार्ड मुद्रा लाता है जो सरकारी खर्च को अतिरिक्त बढ़त देता है।
- चूंकि बाहरी ऋण तुलनात्मक रूप से सस्ते और लंबी अवधि के होते हैं।
- इनके अपने फायदे हैं और इन्हें दो कारणों से आंतरिक उधारी से बेहतर माना जाता है:
  - सरकारी खर्च को अतिरिक्त बढ़त देता है क्योंकि इससे सरकार देश के अंदर और साथ ही देश के बाहर से अपनी विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है।
  - इसे 'क्राउडिंग आउट इफेक्ट' के कारण आंतरिक उधारी पर प्राथमिकता दी जाती है।
  - जिसका अर्थ है कि सरकार देश के बैंकों से उधार लेती है और दूसरों के लिए निवेश उद्देश्यों के लिए उधार लेने की गुंजाइश नहीं बची है

</td></tr>
<tr><td>**आंतरिक उधार**</td><td>

- यह राजकोषीय घाटे के प्रबंधन के तीसरे पसंदीदा मार्ग के रूप में आता है।
- लेकिन यह सार्वजनिक और कॉर्पोरेट क्षेत्र की निवेश संभावनाओं को बाधित करता है।
- **अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:** अर्थव्यवस्था दोहरे नकारात्मक प्रभाव की ओर अग्रसर है
  - कम निवेश: कम उत्पादन, कम सकल घरेलू उत्पाद और कम प्रति व्यक्ति आय, आदि) और
  - अर्थव्यवस्था में आम जनता के साथ-साथ कॉर्पोरेट जगत द्वारा कम मांग - अर्थव्यवस्था या तो गतिरोध के लिए चलती है या मंदी के लिए
  - उदाहरण: भारत में 1960, 1970, 1980 के दशक में बार-बार हुआ।

</td></tr>
<tr><td>**मुद्रण मुद्रा**</td><td>

- यह सरकार के लिए अपने घाटे के प्रबंधन का अंतिम उपाय है।
- इसके साथ सबसे बड़ी बाधा यह है कि सरकार उन खर्चों के लिए नहीं जा सकती जो विदेशी मुद्रा में किए जाने हैं

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:

- यह मुद्रास्फीति को आनुपातिक रूप से बढ़ाता है।
- **उदाहरण:** 1970 के दशक की शुरुआत से भारत नियमित रूप से इसके लिए गया और आमतौर पर दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति को सहन करना पड़ा।
- यह सरकारी कर्मचारियों के वेतन और वेतन में वृद्धि के लिए सरकार पर नियमित दबाव और दायित्व लाता है
- अंततः सरकारी व्यय में वृद्धि के कारण मुद्रा की और छपाई और आगे मुद्रास्फीति की आवश्यकता हुई।

</td></tr>
</table>

घाटे का सार Deficit Statistics

(₹ करोड़) (In ₹ crore)

		2020-2021 वास्तविक Actuals	2021-2022 बजट अनुमान Budget Estimates	2021-2022 संशोधित अनुमान Revised Estimates	2022-2023 बजट अनुमान Budget Estimates
1. राजकोषीय घाटा	1. Fiscal Deficit	1818291 (9.2)	1506812 (6.8)	1591089 (6.9)	1661196 (6.4)
2. राजस्व घाटा	2. Revenue Deficit	1449599 (7.3)	1140576 (5.1)	1088352 (4.7)	990241 (3.8)
3. प्रभावी राजस्व घाटा	3. Effective Revenue Deficit	1218734 (6.2)	921464 (4.1)	850667 (3.7)	672598 (2.6)
4. प्राथमिक घाटा	4. Primary Deficit	1138422 (5.8)	697111 (3.1)	777298 (3.3)	720545 (2.8)

राजकोषीय घाटा वित्तपोषण के स्रोत Sources of Financing Fiscal Deficit

(₹ करोड़) (In ₹ crore)

		2020-2021 वास्तविक Actuals	2021-2022 बजट अनुमान Budget Estimates	2021-2022 संशोधित अनुमान Revised Estimates	2022-2023 बजट अनुमान Budget Estimates
1. ऋण प्राप्तियां (निवल)	1. Debt Receipts (Net)	1825479	1435428	1416902	1660444
2. बाजार उधार (सरकारी प्रतिभूति + राजकोषीय हुंडी)	2. Market Borrowings (G-sec +T Bills)	1239737	967708	875771	1158719
3. अल्प बचतों के बदले प्रतिभूतियां	3. Securities against Small Savings	483733	391927	591524	425449
4. राज्य भविष्य निधियां	4. State Provident Funds	18514	20000	20000	20000
5. अन्य प्राप्तियां (आंतरिक ऋण तथा लोक लेखा)	5. Other Receipts (Internal Debts and Public Account)	13315	54280	(-)90140*	37025
6. विदेशी ऋण	6. External Debt	70181	1514	19746	19251
7. नकदी शेष का कम आहरण	7. Draw Down of Cash Balance	(-)7188	71383	174187	752

प्रमुख मदों का व्यय Expenditure of Major Items

(₹ करोड़) (In ₹ crore)

		2020-2021 वास्तविक Actuals	2021-2022 बजट अनुमान Budget Estimates	2021-2022 संशोधित अनुमान Revised Estimates	2022-2023 बजट अनुमान Budget Estimates
पेंशन	Pension	208473	189328	198962	207132
रक्षा	Defence	340094	347088	368418	385370
सब्सिडी -	Subsidy -				
- उर्वरक	Fertiliser	127922	79530	140122	105222
- खाद्य	Food	541330	242836	286469	206831
- पेट्रोलियम	Petroleum	38455	14073	6517	5813
कृषि और संबद्ध कार्यकलाप	Agriculture and Allied Activities	134420	148301	147764	151521
वाणिज्य और उद्योग	Commerce and Industry	21554	34623	45833	53116
पूर्वोत्तर का विकास	Development of North East	1854	2658	2658	2800
शिक्षा	Education	84219	93224	88002	104278
ऊर्जा	Energy	32728	41747	48684	49220
विदेश	External Affairs	14329	18155	16000	17250
वित्त	Finance	37038	91916	51904	21354
स्वास्थ्य	Health	80026	74602	85915	86606
गृह	Home Affairs	96652	113521	115550	127020
ब्याज	Interest	679869	809701	813791	940651
आईटी और दूरसंचार	IT and Telecom	32778	53108	28757	79887
अन्य	Others	91998	87528	101864	113301
योजना और सांख्यिकी	Planning and Statistics	3172	2472	4808	5720
ग्रामीण विकास	Rural Development	214246	194633	206948	206293
वैज्ञानिक विभाग	Scientific Departments	22100	30640	28510	30571
सामाजिक कल्याण	Social Welfare	37563	48460	44952	51780
कर प्रशासन[1]	Tax Administration[1]	146439	131100	195351	171677
जिसमें से जीएसटी क्षतिपूर्ति निधि को अंतरण	of which Transfer to GST Compensation Fund	106317	100000	110795	120000
राज्यों का अंतरण	Transfer to States	211475	293302	285394	334339
परिवहन	Transport	216795	233083	325443	351851
संघ राज्य क्षेत्र	Union Territories	47605	53026	57533	58757
शहरी विकास	Urban Development	46701	54581	73850	76549
कुल जोड़	**Grand Total**	**3509836**	**3483236**	**3770000**	**3944909**

[1] **इसमें स्क्रीप आधारित योजनाओं के लिए बकाया भुगतान शामिल है।**

[1] **This also includes payment of arrears for scrip based schemes.**